भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
कृषि अनुसंधान भवन-II, पूसा, नई दिल्ली 110 012
INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH
KRISHI ANUSANDHAN BHAVAN-II, PUSA, NEW DELHI 110 012

डॉकेट संख्या-1/कुलपति 885
DCT. NO. 1/VC/...
27 OCT 2017
कुलपति कार्यालय
विश्वभारती
VICE-CHANCELLOR'S OFFICE
VISVA-BHARATI

गणित्र सदन / Computer Centre
विश्वभारती / Visva-Bharati
सारांश सं./... No. 734
तिथि/Date 7.11.17

डा. नरेन्द्र सिंह राठौड़
उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा)
Dr. Narendra Singh Rathore
Deputy Director General (Agril. Edn.)

Phone : 011-25841760 (O)
Fax : 011-25843932
E-mail : ddgedn@gmail.com
nsrdsr@gmail.com
Website www.icar.org.in

Office of the Registrar (Chamber)
Visva-Bharati
Docket No. VC/1227 Date 6/11/17

26th October 2017

साधारण विभाग
विश्वभारती
सं.......... दिनांक..........
DOCKET & DISPATCH
...
No. 1/3280 Date. 06.11.17

To,

All VC of AUs & Director of ICAR Institutes

Subject: Agricultural Education Day – 3rd December 2017

Dear Sir,

For strengthening future agriculture of the country, there is urgent need to attract youth towards agricultural education. This essentially requires massive awareness programmes among the youth focusing on various facets of agriculture and allied subjects. Efforts are being made to introduce courses and topics on different aspects of agriculture in school curricula. The objective of this day would be to expose students including schools to various facets of agriculture and its relevance to country's development, inspire them and attract them towards agriculture, so that they develop interest in agriculture and allied subjects, choose professional career after schooling in some of these courses, engage themselves in agriculture and related activities or become agrientrepreneurs in future.

Keeping this in view, it has been decided by the Ministry of Agriculture and Farmer's Welfare that to celebrate 3rd December as **AGRICULTURE EDUCATION DAY**, which is the Birth Day of the first Union Minister of Agriculture of India in 1946 and first President of Independent India, **Bharat Ratna, Dr. Rajendra Prasad**.

The Agricultural Education Day may be celebrated by inviting school children to the Institutes/University for giving first hand information related to Agricultural sector in country and also engaging university students in a day long activities such as **Debate Competition, Essay Competition, Art Competition, Exhibition, interaction with Agricultural Scientists, Policy Makers/Administrators and Farmers,** and exposition to inspiring lectures by reputed professionals.

You are once again requested to observe December 3, 2017 as "**Agricultural Education Day**" and send a compiled report about the programme to the undersigned as early as possible.

Thanking You,

Yours sincerely,

(signed)

(N.S.Rathore)

I/C Computer Centre
3/11/17

For circulation

26.10.17

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

कृषि अनुसंधान भवन-II, पूसा, नई दिल्ली 110 012

INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH

KRISHI ANUSANDHAN BHAVAN-II, PUSA, NEW DELHI 110 012

डा. नरेन्द्र सिंह राठौड़
उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा)

Dr. Narendra Singh Rathore
Deputy Director General (Agril. Edn.)

Phone : 011-25841760 (O)
Fax : 011-25843932
E-mail : ddgedn@gmail.com
nsrdsr@gmail.com
Website: www.icar.org.in

दिनाँक अक्टूबर 26, 2017

सेवा में,

सभी कृषि विश्विद्यालयों के कुलपति और भ.कृ.अ.प. संस्थानों के निदेशक

विषय: 3 दिसंबर, 2017 को "कृषि शिक्षा दिवस" मनाने के सम्बन्ध में।

महोदय जी,

हमारे देश के प्रथम कृषि मंत्री एवं स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद जी के जन्म दिवस, (3 दिसंबर) के उपलक्ष्य में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी 3 दिसंबर को "कृषि शिक्षा दिवस" के रूप में मना रहा है।

डॉ राजेन्द्र प्रसाद का जन्म 3 दिसंबर 1884 को बिहार के एक छोटे से गांव जीरादेई में हुआ था। डॉ राजेन्द्र प्रसाद भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख नेताओ में से एक थे, उन्होंने भारतीय सविंधान के निर्माण में भी अपना योगदान दिया था। उन्होंने 12 वर्षो तक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करने के पश्चात वर्ष 1962 में अपने अवकाश की घोषणा की। उनके उत्कृष्ट कार्यो के लिए भारत सरकार ने 1962 में उन्हें देश का सर्वोच्च सम्मान "भारत रत्न " से सम्मानित किया गया था ! अपने आदर्शो एवं श्रेष्ठ भारतीय मूल्यों के लिए राष्ट के लिए वे सदैव प्रेरणास्त्रो बने रहेंगे ! उनके भारत में शिक्षा एवं कृषि के विकास के योगदान को ध्यान में रखकर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 3 दिसंबर को "कृषि शिक्षा दिवस" रूप में मनाने का निर्णय क्या गया था।

इस संदर्भ में सभी भ.कृ.अ.प. संस्थानों/कृषि विश्विधायलो से अनुरोध किया जाता है कि "कृषि शिक्षा दिवस" के उपलक्ष्य में 3 दिसंबर को दिन भर चलने वाले कार्यक्रम आयोजित किये जाएं, जैसे वाद-विवाद प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, प्रदर्शनी कृषि वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं प्रशासकों और किसानो के साथ पारस्परिक संपर्क तथा प्रख्यात व्यवसायिओं द्वारा दिए जाने वाले प्रेणादायक व्याख्यानों, जिसमे राज्य के स्कूली छात्र व छात्राओं को प्रोत्साहन मिले। सभी भ.कृ.अ.प. संस्थानों, कृषि विश्विधालयो से यह आशा की जाती है कि कार्यकर्म का ज्यादा से ज्यादा प्रचार एवं प्रसार करें तथा हमारे कृषि शिक्षा के विद्यार्थियों को डॉ राजेन्द्र प्रमाद के विचारो से अवगत करवाये ताकि हमारे युवा, भारत निर्माण, में अग्रसर होकर देश को कृषि शिक्षा के क्षेत्र में विश्व में प्रथम स्थान पर ला सके।

भवदीय

(नरेंद्र सिंह राठौड.)